काव्य संग्रह

हाँफती ज़िंदगी

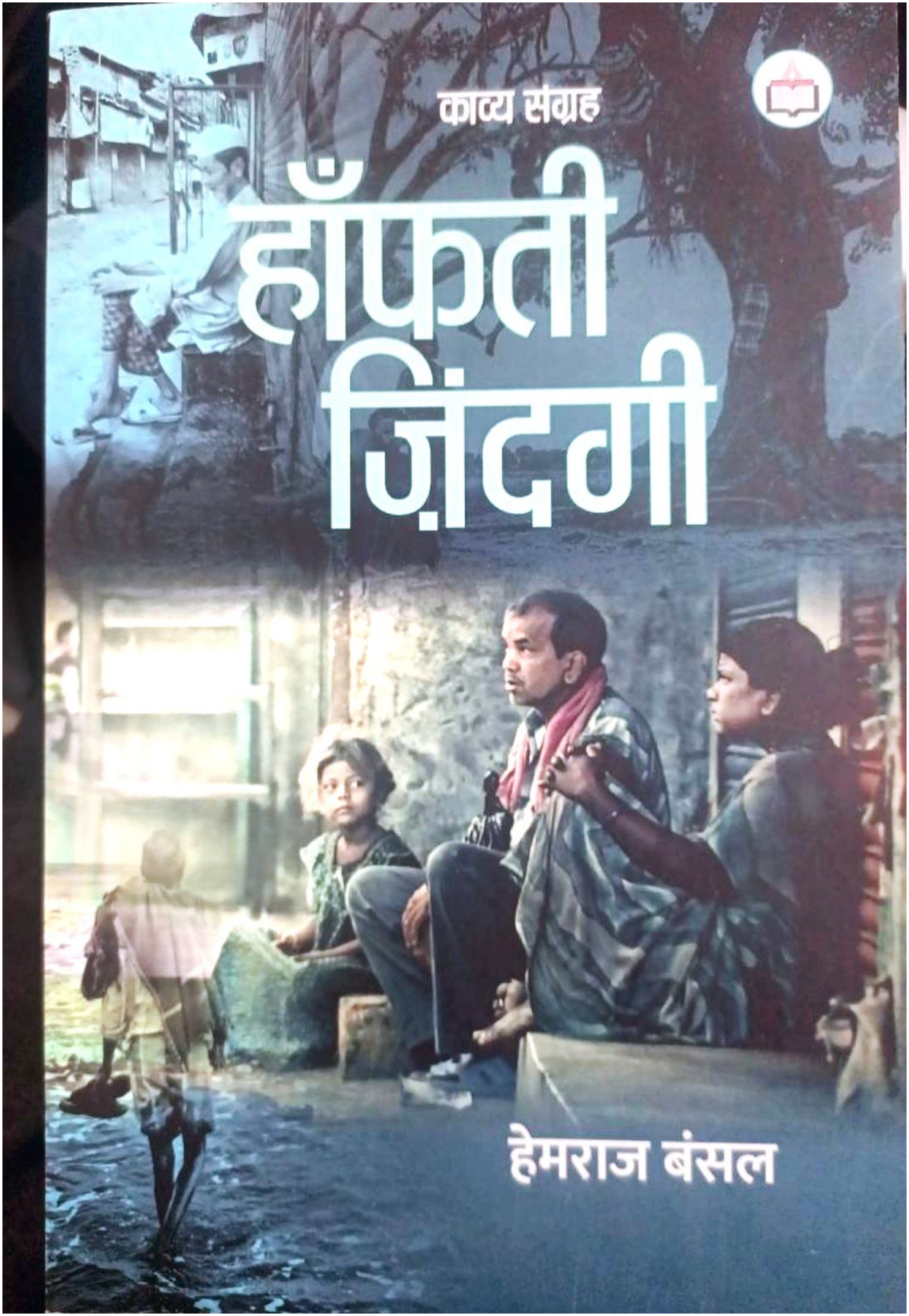

हेमराज बंसल

Worldwide Circulation through Authorspress Global Network
First Published in 2018
by
Authorspress
Q-2A Hauz Khas Enclave, New Delhi-110 016 (India)
Phone: (0) 9818049852
E-mail: authorspressgroup@gmail.com
Website: www.authorspressbooks.com

हाँफती ज़िंदगी
(काव्य-संग्रह)
ISBN 978-93-87281-86-8

Copyright © 2018 हेमराज बंसल

Disclaimer
All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior consent of the author.

Printed in India at Krishna Offset, Shahdara

सारणी

आभार 5

भूमिका 7

1. बेटा बड़ा हो गया है अब 11
2. जो कहता था उसे माँ ही 12
3. ढल गया था सूरज 14
4. क्यों डरता है अब किसान ? 16
5. धूल हूँ मैं 18
6. जहाँ पेड़ होते थे कभी 19
7. क्यों गंवाते हो जीवन ? 21
8. अपनी माटी छोड़ चला तू 23
9. खेल रहा हूँ धूल में 27
10. अंकुर 29
11. कैसी ये बरसात थी? 31
12. अमावस्या की वो रात 33
13. डायन थी वो 36
14. खो गया है बचपन 38
15. देता रहा फिर भी छाँव 41
16. दीवारें बड़ी ऊँची हैं अब 42

17. होता जो मिलन स्वर्ग में 44
18. क्यों मरी थी वो? 45
19. मैं कौन हूँ ? 47
20. कहां गया इन्सान? 48
21. मायूस होता बचपन 50
22. आज अगर ना जागोगे तो 52
23. थीं वो दोनों नन्ही ही 54
24. बस मुझे ज़िंदगी दे दो तुम 57
25. भूखा है वो 60
26. वो बेबस नज़रें 62
27. जब घर कच्चे हुआ करते थे 64
28. अधूरी उड़ान 66
29. अब्बा-बापू क्यों लड़े? 67
30. वादा निभा के जायेगा 68
31. इक सुबह सुहानी 70
32. ऐसा होता है किसान 71
33. नहीं मिलता छत आसानी से 73
34. कब तक रहूँ मैं चुप? 76